
Shri Yadagiri Lakshminrisimha Mangalashasanam

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्

Document Information

Text title : yAdagiri lakShmInRisi.nha ma.ngalAshAsanam

File name : yAdagirilaxminRisimhamangala.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, stotra, vAngIpuram-narasinhAchArya, vishnu, mangala

Location : doc_vishhnu

Author : vA.ngIpuram narasi.nhAchArya

Transliterated by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com

Proofread by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com Great grandson of the composer

Latest update : December 15, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 2, 2024

sanskritdocuments.org

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्



श्री यादगिरि शृङ्गाग्र गुडामध्य विहारिणे
सर्वलोकेश्वरायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

वामाङ्गु विलसत्लक्ष्मीबन्धवे लोकबन्धवे
सूरिभोग्याय यादाद्रि श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ २ ॥

शङ्ख चक्र प्रभामध्य राजद्विमलमूर्तये
श्री यादगिरिवासाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ३ ॥

गुडानिवसनात्सर्व लृद्धुडावास सूयनम्
कुर्वते सर्वलोकानाम् यादाद्रिशाय मङ्गलम् ॥ ४ ॥

नित्याय निरवधाय नित्यवैभवशालिने
नित्यवैभव दात्रेय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ५ ॥

साधुलोक शरण्याय कामितार्त प्रदायिने
आर्तार्ति हरणायस्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ६ ॥

भुक्तिमुक्ति प्रदात्रेय शक्ति भक्ति प्रदायिने
निर्वाण सुभद्रुपाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ७ ॥

जगत्कर्त्रे जगत्भोक्ते जगद्रूपाय वेदसे
जगताञ्च निवासाय यादाद्रिशाय मङ्गलम् ॥ ८ ॥

अनेक कोटि ब्रह्माण्डैः कन्दुका कीडलीलया
केलीविलासलोलाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ९ ॥

सुरासुर नरानाम् च वानरानाम् च पक्षिनाम्
दीनानाम् रक्षकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १० ॥

दृष्टानाम् निग्रहम् चैव शिष्टानाम् परिपालनम्
युगपत् कुर्वते लक्ष्मीनरसिंहाय मङ्गलम् ॥ ११ ॥


प्रपञ्च वृक्षबीजाय निष्प्रपञ्चाय मायिने
मायापनोदकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १२ ॥


सन्तान दान दीक्षाय सन्तानाय कृलार्तिनाम्
कौसल्या मुप्य सन्तानरूपिणे शुभमङ्गलम् ॥ १३ ॥

मङ्गलम् नरसिंहाय मङ्गलम् गुणसिन्धवे
मङ्गलानाम् निवासाय यादद्रीशाय मङ्गलम् ॥ १४ ॥

॥ इति श्री वाङ्गीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं
श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनं समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram
vangeepuram@rediffmail.com

——
Shri Yadagiri Lakshminrisimha Mangalashasanam
pdf was typeset on February 2, 2024

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

